

DAILY CURRENT AFFAIRS

Daily Current Affairs

MockTest.in

12 August 2026

INSIDE THIS EDITION

समसामयिकी · हिन्दी	8
वन लाइनर · हिन्दी	10
अभ्यास प्रश्नोत्तरी · हिन्दी	8
Current Affairs · English	8
One Liners · English	10
Practice Quiz · English	8

Contents / विषय-सूची

01	समसामयिकी · हिन्दी	8 प्रविष्टियाँ	4
02	वन लाइनर · हिन्दी	10 प्रविष्टियाँ	15
03	अभ्यास प्रश्नोत्तरी · हिन्दी	8 प्रविष्टियाँ	16
04	Current Affairs · English	8 items	20
05	One Liners · English	10 items	31
06	Practice Quiz · English	8 items	32

12.08 • MOCKTEST.IN

हिन्दी

12 August 2026 • MockTest.in दैनिक समसामयिकी

- | | | |
|----|---------------------|-----------------|
| 01 | समसामयिकी | 8 प्रविष्टियाँ |
| 02 | वन लाइनर | 10 प्रविष्टियाँ |
| 03 | अभ्यास प्रश्नोत्तरी | 8 प्रविष्टियाँ |



समसामयिकी

8 प्रविष्टियाँ

01 उच्च न्यायपालिका में नेतृत्व परिवर्तन — कॉलेजियम की नई सिफारिशें नियुक्तियाँ

संक्षेप में

सर्वोच्च न्यायालय कॉलेजियम ने 6 अगस्त 2026 को न्यायमूर्ति रविंद्र वी. घुगे और महेश चंद्र त्रिपाठी को क्रमशः कलकत्ता और बॉम्बे उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में नियुक्त करने की सिफारिश की। न्यायमूर्ति घुगे वर्तमान में बॉम्बे हाई कोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश हैं, जबकि न्यायमूर्ति त्रिपाठी इलाहाबाद हाई कोर्ट के वरिष्ठ न्यायाधीश हैं। स्वीकृति मिलने पर न्यायमूर्ति त्रिपाठी बॉम्बे हाई कोर्ट के 50वें मुख्य न्यायाधीश बनेंगे। कॉलेजियम की सिफारिश के बाद केंद्र सरकार की प्रक्रिया और राष्ट्रपति की नियुक्ति अधिसूचना के माध्यम से अंतिम नियुक्ति होती है।

सर्वोच्च न्यायालय कॉलेजियम ने 6 अगस्त 2026 को न्यायमूर्ति रविंद्र वी. घुगे और न्यायमूर्ति महेश चंद्र त्रिपाठी को क्रमशः कलकत्ता उच्च न्यायालय और बॉम्बे उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में नियुक्त करने की सिफारिश की है।

न्यायमूर्ति रविंद्र वी. घुगे

न्यायमूर्ति रविंद्र वी. घुगे वर्तमान में बॉम्बे उच्च न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश हैं। उन्हें कलकत्ता उच्च न्यायालय के अगले मुख्य न्यायाधीश के रूप में अनुशंसित किया गया है। वे 21 जून 2013 को बॉम्बे उच्च न्यायालय के न्यायाधीश नियुक्त हुए थे। जून 2026 में तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश श्री चंद्रशेखर की सर्वोच्च न्यायालय में नियुक्ति के बाद उन्होंने कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश का पद संभाला।

न्यायमूर्ति महेश चंद्र त्रिपाठी

न्यायमूर्ति एम.सी. त्रिपाठी वर्तमान में इलाहाबाद उच्च न्यायालय के वरिष्ठ न्यायाधीशों में दूसरे स्थान पर हैं और प्रधान पीठ, इलाहाबाद के प्रमुख हैं। कॉलेजियम की सिफारिश स्वीकृत होने पर वे बॉम्बे उच्च न्यायालय के 50वें मुख्य न्यायाधीश बनेंगे। इससे पहले इलाहाबाद उच्च न्यायालय से न्यायमूर्ति डी.के. उपाध्याय बॉम्बे उच्च न्यायालय के 47वें मुख्य न्यायाधीश रह चुके हैं।

दोनों न्यायाधीशों का न्यायिक अनुभव

न्यायमूर्ति घुगे ने 1990 में वकालत शुरू की और श्रम कानून तथा औद्योगिक विवादों से जुड़े लगभग 2,000 मामलों में श्रमिकों एवं ट्रेड यूनियनों का प्रतिनिधित्व किया। दूसरी ओर, न्यायमूर्ति त्रिपाठी ने 1992 में अधिवक्ता के रूप में पंजीकरण कराया और मुख्यतः दीवानी मामलों में वकालत की। उन्होंने विभिन्न सरकारी एवं सार्वजनिक संस्थानों का भी प्रतिनिधित्व किया।

कॉलेजियम प्रणाली का महत्व

कॉलेजियम प्रणाली के अंतर्गत उच्च न्यायपालिका में न्यायाधीशों की नियुक्ति एवं स्थानांतरण के लिए सर्वोच्च न्यायालय के वरिष्ठ न्यायाधीशों का समूह सिफारिश करता है। सर्वोच्च न्यायालय के कॉलेजियम में भारत के मुख्य न्यायाधीश तथा चार वरिष्ठतम न्यायाधीश शामिल होते हैं। हालांकि, कॉलेजियम की सिफारिश अपने-आप में अंतिम नियुक्ति नहीं होती; आगे केंद्र सरकार की प्रक्रिया और राष्ट्रपति द्वारा नियुक्ति की अधिसूचना महत्वपूर्ण होती है।

आगे की प्रक्रिया और UPSC महत्व

सिफारिश केबाद केंद्र सरकार द्वारा प्रक्रिया पूरी की जाती है और नियुक्ति की अधिसूचना जारी होने केपश्चात संबंधित न्यायाधीश मुख्य न्यायाधीश के रूप में कार्यभार ग्रहण करते हैं। वर्तमान में न्यायमूर्ति तापब्रता चक्रवर्ती कलकत्ता उच्च न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश हैं; सिफारिश स्वीकृत होने पर न्यायमूर्ति घुगे उनका स्थान लेंगे। UPSC के लिए यह घटना अनुच्छेद 124, अनुच्छेद 217, न्यायिक स्वतंत्रता, कॉलेजियम बनाम NJAC और न्यायपालिका में नियुक्ति प्रक्रिया जैसे विषयों से जोड़कर पढ़ी जानी चाहिए।

02 पुडुचेरी पुलिस को 'राष्ट्रपति ध्वज' सम्मान

संक्षेप में

9 अगस्त 2026 को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पुडुचेरी पुलिस को वीरता, समर्पण और विशिष्ट सेवा के लिए प्रतिष्ठित राष्ट्रपति ध्वज (President's Colour) से सम्मानित किया। पुडुचेरी पुलिस ने कानून-व्यवस्था बनाए रखने, नागरिक सुरक्षा तथा COVID-19 महामारी के दौरान महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पुडुचेरी एक विशिष्ट केंद्र शासित प्रदेश है, जिसके क्षेत्र पुडुचेरी, कराईकल, माहे और यनम में स्थित हैं। यह सम्मान पुलिस बल की उत्कृष्ट सेवा के साथ-साथ आंतरिक सुरक्षा, आपदा प्रबंधन और नागरिक-केंद्रित पुलिस प्रशासन में योगदान की मान्यता है।

9 अगस्त 2026 को केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने पुडुचेरी पुलिस को उसकी वीरता, समर्पण और विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति ध्वज (President's Colour) से सम्मानित किया। समारोह में पुडुचेरी के उपराज्यपाल के कैलाशनाथन और मुख्यमंत्री एन. रंगासामी सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

राष्ट्रपति ध्वज का महत्व

राष्ट्रपति ध्वज किसी अनुशासित बल को उसकी उत्कृष्ट सेवा, साहस, कर्तव्यनिष्ठा और राष्ट्र के प्रति योगदान के सम्मान में प्रदान किया जाने वाला प्रतिष्ठित सम्मान है। पुलिस बल के लिए यह सम्मान कानून-व्यवस्था बनाए रखने और नागरिकों की सुरक्षा एवं सेवा में उसके दीर्घकालिक योगदान की संस्थागत मान्यता को दर्शाता है।

पुडुचेरी पुलिस को सम्मान क्यों?

पुडुचेरी पुलिस को यह सम्मान विशेष रूप से कानून-व्यवस्था, नागरिक सुरक्षा और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में कर्तव्य निर्वहन के लिए दिया गया। पुडुचेरी का भौगोलिक स्वरूप विशिष्ट है, क्योंकि केंद्र शासित प्रदेश के क्षेत्र पुडुचेरी, कराईकल, माहे और यनम में विभाजित हैं। इन अलग-अलग क्षेत्रों में सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखना पुलिस के लिए प्रशासनिक चुनौती है।

कोविड-19 महामारी के दौरान भूमिका

गृह मंत्री ने COVID-19 महामारी के दौरान पुडुचेरी पुलिस के योगदान की भी सराहना की। महामारी के दौरान पुलिस ने कानून-व्यवस्था बनाए रखने के साथ-साथ स्वास्थ्य सुरक्षा से संबंधित सरकारी दिशा-निर्देशों के क्रियान्वयन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यह उदाहरण आपदा प्रबंधन में पुलिस की बहुआयामी भूमिका को दर्शाता है।

पुडुचेरी का ऐतिहासिक एवं प्रशासनिक महत्व

पुडुचेरी का इतिहास फ्रांसीसी औपनिवेशिक शासन से जुड़ा रहा है। बाद में यह भारत का अभिन्न हिस्सा बना। इसकी विशिष्ट ऐतिहासिक एवं भौगोलिक पृष्ठभूमि के बावजूद इस क्षेत्र ने अपनी भारतीय सांस्कृतिक पहचान को बनाए रखा है।

पुडुचेरी पुलिस एवं UPSC कनेक्शन

पुडुचेरी में पुलिस महानिदेशक (DGP) का पद 1 अक्टूबर 1963 को स्थापित किया गया था। राष्ट्रपति ध्वज से सम्मानित होना पुलिस बल की संस्थागत क्षमता और दीर्घकालिक सेवा की मान्यता है। UPSC के लिए इस घटना को आंतरिक सुरक्षा, पुलिस प्रशासन, केंद्र शासित प्रदेशों का शासन, आपदा प्रबंधन, सार्वजनिक व्यवस्था और पुलिस सुधार से जोड़कर पढ़ना चाहिए। यह विषय GS Paper-II (Governance) और GS Paper-III (Internal Security) दोनों के लिए उपयोगी है।

03 UPI पर उपभोक्ताओं से शुल्क नहीं, PSS अधिनियम में संशोधन से MDR का नया ढांचा स्वास्थ्य

संक्षेप में

भारत सरकार ने स्पष्ट किया है कि UPI उपयोगकर्ताओं, विशेषकर P2P लेनदेन पर कोई शुल्क नहीं लगाया जाएगा, जबकि वर्तमान में UPI पर MDR भी शून्य है। Payment and Settlement Systems Act, 2007 भारत की भुगतान एवं निपटान प्रणालियों का प्रमुख कानूनी ढांचा है, जिसमें डिजिटल भुगतान से संबंधित प्रावधान शामिल हैं। भविष्य में MDR लागू होने पर इसे केवल चुनिंदा व्यापारी लेनदेन और निर्धारित सीमा से अधिक के लेनदेन तक सीमित रखा जा सकता है। MDR से जुड़ी चर्चा का उद्देश्य UPI को महंगा करना नहीं, बल्कि साइबर सुरक्षा, तकनीकी अवसंरचना और डिजिटल भुगतान प्रणाली के लिए स्थायी राजस्व मॉडल विकसित करना है।

भारत सरकार ने स्पष्ट किया है कि UPI उपयोगकर्ताओं से लेनदेन शुल्क नहीं लिया जाएगा। विशेष रूप से Person-to-Person (P2P) लेनदेन निःशुल्क बने रहेंगे। इसलिए आम नागरिक UPI के माध्यम से धन हस्तांतरण और भुगतान बिना किसी अलग लेनदेन शुल्क के जारी रख सकेंगे। सरकार पहले भी स्पष्ट कर चुकी है कि वर्तमान में UPI पर MDR नहीं लिया जा रहा है।

PSS अधिनियम और प्रस्तावित बदलाव

Payment and Settlement Systems Act, 2007 (PSS Act) भारत में भुगतान एवं निपटान प्रणालियों को विनियमित करने का प्रमुख कानूनी ढांचा है। इसमें धारा 10A डिजिटल भुगतान के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। जनवरी 2020 से RuPay डेबिट कार्ड और BHIM-UPI लेनदेन पर MDR को शून्य किया गया था, ताकि डिजिटल भुगतान को बढ़ावा मिले।

MDR क्या है और UPI से इसका संबंध

Merchant Discount Rate (MDR) वह शुल्क है जो व्यापारी के भुगतान लेनदेन को संसाधित करने वाले भुगतान तंत्र में लगाया जाता है। यह सामान्यतः व्यापारी से संबंधित वित्तीय संस्थाओं/भुगतान तंत्र को प्राप्त होता है। महत्वपूर्ण बात यह है कि MDR और उपभोक्ता से लिया जाने वाला UPI शुल्क एक ही चीज नहीं हैं। वर्तमान व्यवस्था में UPI पर MDR शून्य है और सरकार डिजिटल भुगतान पारिस्थितिकी तंत्र को प्रोत्साहन देने के लिए वित्तीय सहायता भी देती है।

भविष्य में MDR लागू होने की स्थिति

प्रस्तावित व्यवस्था को तत्काल UPI शुल्क लगाने के निर्णय के रूप में नहीं समझना चाहिए। सरकार के स्पष्टीकरण के अनुसार, यदि भविष्य में MDR की व्यवस्था की जाती है, तो यह चुनिंदा व्यापारी लेनदेन तक सीमित हो सकती है और

निर्धारित सीमा से ऊपर केलेनदेन पर लागू की जा सकती है। इसका उद्देश्य UPI को महंगा बनाना नहीं, बल्कि भुगतान पारिस्थितिकी तंत्र के लिए एक स्थायी राजस्व मॉडल विकसित करना है।

UPI के लिए स्थायी राजस्व मॉडल की आवश्यकता

UPI के बड़े पैमाने पर विस्तार के साथ साइबर सुरक्षा, धोखाधड़ी की रोकथाम, तकनीकी अवसंरचना, रीयल-टाइम भुगतान और शिकायत निवारण जैसी व्यवस्थाओं में लगातार निवेश आवश्यक है। वर्तमान में सरकार UPI पारिस्थितिकी तंत्र के प्रतिभागियों को प्रोत्साहन देती है। इसलिए MDR से संबंधित बहस को डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना (DPI), वित्तीय समावेशन और भुगतान प्रणाली की दीर्घकालिक वित्तीय स्थिरता के संदर्भ में समझना चाहिए।

UPSC के लिए मुख्य निष्कर्ष

यह मुद्दा GS Paper-III (भारतीय अर्थव्यवस्था) के लिए महत्वपूर्ण है। इसे UPI, NPCI, PSS Act 2007, MDR, डिजिटल भुगतान, वित्तीय समावेशन, Digital Public Infrastructure और FinTech regulation से जोड़कर पढ़ें। परीक्षा में विशेष रूप से याद रखें—P2P UPI लेनदेन निःशुल्क है; MDR व्यापारी-पक्ष से संबंधित अवधारणा है; PSS Act भुगतान प्रणालियों का प्रमुख कानूनी ढांचा है; और UPI का संचालन NPCI के नेतृत्व वाले पारिस्थितिकी तंत्र के माध्यम से होता है। वर्तमान व्यवस्था में UPI पर MDR शून्य रखने का उद्देश्य डिजिटल भुगतान को व्यापक और किफायती बनाना रहा है।

04 'ई-समुद्र' से भारत में समुद्री प्रशासन का डिजिटल कायाकल्प स्वास्थ्य

संक्षेप में

भारत के समुद्री प्रशासन को आधुनिक बनाने के लिए ई-समुद्र (e-Samudra) एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म विकसित किया गया है, जो समुद्री सेवाओं को डिजिटल एवं अधिक कुशल बनाता है। इसमें Single-Window Services, ऑनलाइन भुगतान, डिजिटल प्रमाणपत्र, रीयल-टाइम ट्रैकिंग और Faceless Governance जैसी सुविधाएँ शामिल हैं। प्लेटफॉर्म नाविकों के लिए प्रोफाइल, प्रमाणपत्र, रोजगार, प्रशिक्षण और शिकायत निवारण जैसी सेवाओं को अधिक सरल एवं पारदर्शी बनाने पर केंद्रित है। ई-समुद्र भारत के Maritime India Vision 2030 और Maritime Amrit Kaal Vision 2047 के तहत समुद्री क्षेत्र के डिजिटलीकरण और आधुनिकीकरण को बढ़ावा देता है।

भारत के समुद्री प्रशासन को डिजिटल एवं अधिक कुशल बनाने के लिए ई-समुद्र (e-Samudra) एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म के रूप में विकसित किया गया है। यह बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय के अधीन महानिदेशालय नौवहन/Directorate General of Shipping (DGS) की डिजिटल प्रशासनिक व्यवस्था का हिस्सा है। आधिकारिक DGS रिकॉर्ड के अनुसार, 2026 में इस प्लेटफॉर्म पर नाविक प्रोफाइल, जहाज पंजीकरण और टन भार कराधान जैसे मॉड्यूल भी विकसित/स्थानांतरित किए गए हैं।

समुद्री सेवाओं का Single-Window Digitalisation

ई-समुद्र का प्रमुख उद्देश्य विभिन्न समुद्री सेवाओं को एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध कराना है। इसके माध्यम से आवेदन, दस्तावेज, प्रमाणपत्र, अनुमोदन, शुल्क तथा अन्य प्रक्रियाओं को डिजिटल रूप दिया जा रहा है। इससे कागजी कार्यवाही कम करने, प्रक्रियाओं को तेज करने और Faceless एवं Transparent Governance को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी।

नाविक-केंद्रित डिजिटल सेवाएँ

ई-समुद्र का महत्वपूर्ण पक्ष Seafarer-Centric Governance है। नाविकों के प्रोफाइल को नए प्लेटफॉर्म पर स्थानांतरित किया जा रहा है तथा DGS ने नाविकों को अपनी प्रोफाइल संबंधी जानकारी सत्यापित एवं अपडेट करने के निर्देश दिए हैं। इससे प्रमाणपत्र, रोजगार, प्रशिक्षण और अन्य समुद्री सेवाओं से जुड़ी प्रक्रियाओं को अधिक व्यवस्थित बनाया जा सकता है।

पारदर्शिता, ट्रेकिंग और शिकायत निवारण

डिजिटल समुद्री प्रशासन का उद्देश्य केवल ऑनलाइन सेवाएँ उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि Real-Time Tracking, Digital Records और Grievance Redressal को मजबूत करना भी है। DGS की वर्तमान डिजिटल व्यवस्था में Grievance Redressal, Seafarer Certificate Verification और e-Samudra जैसे मॉड्यूल उपलब्ध हैं। इससे नाविकों तथा अन्य समुद्री हितधारकों को सेवाओं की स्थिति जानने और शिकायतों के समाधान की बेहतर सुविधा मिलती है।

Maritime India Vision 2030 और Amrit Kaal Vision 2047 से संबंध

ई-समुद्र को भारत के व्यापक समुद्री क्षेत्र के आधुनिकीकरण और डिजिटल परिवर्तन के संदर्भ में समझना चाहिए। भारत का लक्ष्य बंदरगाहों की दक्षता, लॉजिस्टिक्स, जहाजरानी, समुद्री व्यापार और मानव संसाधन को मजबूत करके एक प्रतिस्पर्धी वैश्विक समुद्री शक्ति बनना है। इसलिए ई-समुद्र को Maritime India Vision 2030 और दीर्घकालिक Maritime Amrit Kaal Vision 2047 के डिजिटल-गवर्नेंस आयाम से जोड़ा जा सकता है।

UPSC के लिए इसका महत्व

यह पहल GS Paper-II और GS Paper-III दोनों के लिए महत्वपूर्ण है। GS-II में इसे e-Governance, Digital Public Infrastructure, पारदर्शिता और नागरिक-केंद्रित शासन से जोड़ें, जबकि GS-III में Ports, Shipping, Blue Economy, Maritime Security, Logistics और समुद्री व्यापार से जोड़कर पढ़ें। साथ ही याद रखें कि Merchant Shipping Act, 2025, नाविकों के अधिकार एवं समुद्री प्रशासन में सुधार तथा डिजिटल समुद्री सेवाएँ भारत के व्यापक Maritime Governance Reform का हिस्सा हैं। DGS के आधिकारिक रिकॉर्ड में e-Samudra के लिए 2024 में कार्यान्वयन समितियों के गठन और 2026 में इसके विभिन्न मॉड्यूल के संचालन/अपडेट का उल्लेख मिलता है।

05 'Bank in a Box' से शहरी सहकारी बैंकों का डिजिटल एवं साइबर सुरक्षा आधुनिकीकरण स्वास्थ्य

संक्षेप में

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने मुंबई में 'सहकार नव-क्रांति' कार्यक्रम के दौरान UCBs के आधुनिकीकरण के लिए 'Bank in a Box' और 24x7 Security Operations Centre (SOC) जैसी पहल शुरू कीं। 'Bank in a Box' के तहत छोटे शहरी सहकारी बैंकों को Core Banking, Digital Payments, Cloud, AI-based Fraud Prevention और Regulatory Compliance जैसी सुविधाएँ मिलेंगी। NUCFDC को UCBs के लिए Umbrella Organisation के रूप में तकनीकी, वित्तीय और नियामकीय सहायता प्रदान करने की जिम्मेदारी दी गई है। लगभग 1,400 UCBs में से 650 सदस्य बन चुके हैं और NUCFDC के लिए करीब ₹306 करोड़ का पूंजीकरण किया गया है; इसका मुख्यालय दिल्ली से महाराष्ट्र स्थानांतरित किया जाएगा।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने मुंबई में आयोजित 'सहकार नव-क्रांति' कार्यक्रम में शहरी सहकारी बैंकों (UCBs) के आधुनिकीकरण से जुड़ी कई पहल शुरू कीं। इनमें National Urban Cooperative Finance and Development Corporation (NUCFDC) के नए परिसर का उद्घाटन, 'Bank in a Box' तकनीकी प्लेटफॉर्म और सहभागी UCBs के लिए Security Operations Centre (SOC) की शुरुआत प्रमुख हैं। इसका उद्देश्य छोटे शहरी सहकारी बैंकों को आधुनिक बैंकिंग तकनीक एवं साइबर सुरक्षा सुविधाएँ उपलब्ध कराना है।

'Bank in a Box' क्या है?

Bank in a Box एक एकीकृत तकनीकी समाधान है, जिसके माध्यम से छोटे और कम शाखाओं वाले UCBs को अलग-अलग महंगे IT सिस्टम विकसित किए बिना आधुनिक बैंकिंग सुविधाएँ मिल सकेंगी। इसमें Core Banking, Digital Payments, Cloud Infrastructure, Loan Origination System, AI-based Fraud Prevention, Aadhaar-based services और Automated Regulatory Compliance जैसी सुविधाएँ शामिल हैं। इससे छोटे सहकारी बैंकों की तकनीकी लागत और परिचालन बोझ कम करने में मदद मिलेगी।

Security Operations Centre (SOC) और साइबर सुरक्षा

डिजिटल बैंकिंग के विस्तार के साथ साइबर धोखाधड़ी और साइबर हमलों का जोखिम भी बढ़ रहा है। इसलिए UCBs के लिए 24x7 Security Operations Centre (SOC) स्थापित किया गया है। इसका उद्देश्य साइबर खतरों की निरंतर निगरानी, संदिग्ध गतिविधियों की पहचान और सुरक्षा संबंधी सहायता प्रदान करना है। NUCFDC द्वारा MuleHunter जैसी तकनीकों तक पहुंच भी उपलब्ध कराई जा रही है, जो संदिग्ध लेनदेन और mule accounts की पहचान में मदद करती हैं।

NUCFDC की भूमिका

National Urban Cooperative Finance and Development Corporation (NUCFDC) को शहरी सहकारी बैंकों के लिए Umbrella Organisation के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका दी गई है। इसका उद्देश्य UCBs को तकनीकी, वित्तीय, संस्थागत और नियामक सहायता प्रदान करना है। साझा तकनीकी सेवाओं और अनुबंधों के माध्यम से छोटे बैंकों को economies of scale का लाभ मिल सकता है तथा उन्हें आधुनिक बैंकिंग प्रणाली अपनाने में सहायता मिलेगी।

UCB क्षेत्र और पूंजीकरण

देश में लगभग 1,400 शहरी सहकारी बैंकों में से लगभग 650 UCBs NUCFDC के सदस्य बन चुके हैं। संगठन के पूंजीकरण के लिए लगभग ₹306 करोड़ की राशि जुटाई गई है। महाराष्ट्र UCBs की संख्या के मामले में महत्वपूर्ण राज्य है और इसी कारण NUCFDC के मुख्यालय को दिल्ली से महाराष्ट्र स्थानांतरित करने की घोषणा की गई है। यह कदम देश के बड़े सहकारी बैंकिंग नेटवर्क वाले क्षेत्र में संस्थागत समन्वय को मजबूत कर सकता है।

UPSC के लिए महत्व

यह पहल GS Paper-III (भारतीय अर्थव्यवस्था) के लिए महत्वपूर्ण है। इसे सहकारी बैंकिंग, वित्तीय समावेशन, डिजिटल बैंकिंग, FinTech, साइबर सुरक्षा, AI-based fraud detection, नियामकीय अनुपालन और संस्थागत सुधार से जोड़कर पढ़ें। विशेष रूप से याद रखें कि UCBs भारतीय सहकारी बैंकिंग प्रणाली का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, जबकि NUCFDC का Umbrella Organisation के रूप में उद्देश्य उनके तकनीकी एवं संस्थागत सशक्तीकरण को बढ़ावा देना है। 'Bank in a Box' shared digital infrastructure और economies of scale का उदाहरण है, जबकि SOC बैंकिंग क्षेत्र में proactive cyber-risk management को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

06 'प्रकृति ज्ञान धाम' — जैव विविधता और पर्यावरण शिक्षा का नया केंद्र स्वास्थ्य

संक्षेप में

लखनऊ में केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने 'प्रकृति ज्ञान धाम' का उद्घाटन किया, जिसे CSIR-NBRI ने विकसित किया है। यह एक Live Laboratory के रूप में विद्यार्थियों और प्रकृति प्रेमियों को जैव विविधता एवं पारिस्थितिकी का अनुभवात्मक अध्ययन उपलब्ध कराता है। इसके प्रमुख आकर्षणों में PAaVan Path, भारतीय विरासत उद्यान और QR Code आधारित डिजिटल पर्यावरण शिक्षा शामिल हैं। Bamboostium में बांस की 43 प्रजातियाँ प्रदर्शित हैं, जो जैव संसाधनों के सतत उपयोग, कार्बन प्रबंधन और हरित आजीविका को बढ़ावा देने पर केंद्रित है।

लखनऊ में 'प्रकृति ज्ञान धाम' नामक पर्यावरण-आधारित शिक्षा केंद्र का उद्घाटन केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने किया। इसे CSIR-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान (CSIR-NBRI) द्वारा विकसित किया गया है। यह बंधरा स्थित महर्षि पराशर जैवसंसाधन केंद्र में स्थापित है और इसका उद्देश्य वैज्ञानिक अनुसंधान, जैव विविधता संरक्षण तथा पर्यावरण शिक्षा को समाज से जोड़ना है।

सक्रिय 'लाइव प्रयोगशाला' के रूप में विकास

प्रकृति ज्ञान धाम को एक Live Laboratory के रूप में विकसित किया गया है, जहाँ विद्यार्थी, शिक्षक, वैज्ञानिक और प्रकृति प्रेमी प्रत्यक्ष अनुभव के माध्यम से भारत की वनस्पति एवं पारिस्थितिक विविधता को समझ सकेंगे। इसका मॉडल पारंपरिक कक्षा-आधारित शिक्षा से आगे बढ़कर Experiential Learning पर केंद्रित है। यह वनस्पति विज्ञान को जैव विविधता संरक्षण, पारिस्थितिकी और सतत आजीविका से जोड़ता है।

PAaVan Path और भारतीय विरासत उद्यान

केंद्र के प्रमुख आकर्षणों में PAaVan Path और भारतीय विरासत उद्यान शामिल हैं। PAaVan Path के माध्यम से विभिन्न पौधों एवं उनके पारिस्थितिक संबंधों को समझने का अवसर मिलता है। भारतीय विरासत उद्यान में ऐसे ऐतिहासिक

एवं सांस्कृतिक महत्व वाले वृक्षों को प्रदर्शित किया गया है, जिनका संबंध भारतीय इतिहास और स्वतंत्रता आंदोलन से है। इस प्रकार यह पहल Biological Heritage और Cultural Heritage को एक साथ जोड़ती है।

तकनीक आधारित पर्यावरण शिक्षा

प्रकृति ज्ञान धाम में विभिन्न पेड़ों और प्रदर्शनियों पर QR Codes लगाए गए हैं। इनके माध्यम से आगंतुक पौधों की प्रजातियों, उनके महत्व और संबंधित वैज्ञानिक जानकारी को डिजिटल रूप से प्राप्त कर सकते हैं। यह पहल Technology-enabled Environmental Education का उदाहरण है और वैज्ञानिक जानकारी को आम लोगों के लिए अधिक सुलभ एवं इंटरैक्टिव बनाती है।

'Bamboostium' और सतत विकास

केंद्र का Bamboostium विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, जहाँ बांस की 43 प्रजातियों और उनके उपयोगों को प्रदर्शित किया गया है। बांस को कार्बन प्रबंधन, पारिस्थितिक पुनर्स्थापन, पर्यावरण-अनुकूल उत्पाद, हरित निर्माण और सतत आजीविका से जोड़ा गया है। यह उदाहरण बताता है कि जैव संसाधनों का वैज्ञानिक एवं टिकाऊ उपयोग हरित अर्थव्यवस्था और स्थानीय आजीविका को बढ़ावा दे सकता है।

UPSC के लिए महत्व

यह पहल GS Paper-III (Environment & Ecology) के लिए महत्वपूर्ण है। इसे जैव विविधता संरक्षण, पारिस्थितिकी तंत्र सेवाएँ, पर्यावरण शिक्षा, सतत विकास, वनस्पति संसाधन, पारिस्थितिक पुनर्स्थापन और Green Economy से जोड़कर पढ़ना चाहिए। साथ ही, CSIR-NBRI की भूमिका वैज्ञानिक अनुसंधान को समाज तक पहुँचाने के उदाहरण के रूप में महत्वपूर्ण है। UPSC Mains में यह पहल “वैज्ञानिक संस्थानों और समाज के बीच सेतु” तथा “जैव संसाधनों के संरक्षण के साथ सतत उपयोग” के मॉडल के रूप में उद्धृत की जा सकती है।

07 अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस 2026 — युवा शक्ति और सतत विकास इतिहास एवं दिवस

संक्षेप में

अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस प्रत्येक वर्ष 12 अगस्त को मनाया जाता है और संयुक्त राष्ट्र महासभा ने इसे 1999 में मान्यता दी; पहली बार यह दिवस 12 अगस्त 2000 को मनाया गया। 2026 की थीम “From Clicks to Progress: Youth Digital Pathways for Sustainable Development” है, जो डिजिटल तकनीक और सतत विकास में युवाओं की भूमिका पर केंद्रित है। भारत के लिए युवा Demographic Dividend का प्रमुख आधार हैं, जिसके लिए शिक्षा, कौशल, रोजगार, स्वास्थ्य और डिजिटल अवसरों में निवेश आवश्यक है। युवा SDG-4, SDG-5, SDG-8, SDG-9 और SDG-13 की प्राप्ति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं तथा AI, FinTech और डिजिटल उद्यमिता जैसे क्षेत्रों में योगदान दे रहे हैं।

अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस (International Youth Day) प्रत्येक वर्ष 12 अगस्त को मनाया जाता है। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 1999 में युवाओं से संबंधित मुद्दों पर वैश्विक स्तर पर जागरूकता बढ़ाने के लिए इस दिवस को मान्यता दी थी। पहली बार अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस 12 अगस्त 2000 को मनाया गया।

2026 की थीम

अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस 2026 की थीम — “From Clicks to Progress: Youth Digital Pathways for Sustainable Development” है। इसका मुख्य उद्देश्य युवाओं की डिजिटल क्षमता, नवाचार और तकनीकी भागीदारी को सतत विकास के लक्ष्यों से जोड़ना है।

युवाओं और डिजिटल परिवर्तन का संबंध

आज युवा वर्ग Artificial Intelligence, Digital Platforms, Social Media, FinTech और डिजिटल उद्यमिता जैसे क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। डिजिटल तकनीक युवाओं को शिक्षा, रोजगार, कौशल विकास और उद्यमिता के नए अवसर प्रदान करती है। साथ ही, Digital Divide, Cybersecurity, Online Misinformation और Digital Exclusion जैसी चुनौतियाँ भी सामने हैं।

भारत के संदर्भ में महत्व

भारत विश्व के सबसे बड़े युवा आबादी वाले देशों में से एक है। भारत की Demographic Dividend का लाभ प्राप्त करने के लिए युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, कौशल, रोजगार, स्वास्थ्य और उद्यमिता के अवसर उपलब्ध कराना आवश्यक है। Skill India, Digital India, Startup India और National Education Policy 2020 जैसी पहलें युवा क्षमता को मानव पूंजी में बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

SDGs और युवा

युवा Sustainable Development Goals (SDGs) की प्राप्ति में महत्वपूर्ण भागीदार हैं। विशेष रूप से SDG-4 (गुणवत्तापूर्ण शिक्षा), SDG-5 (लैंगिक समानता), SDG-8 (सम्मानजनक कार्य एवं आर्थिक वृद्धि), SDG-9 (उद्योग, नवाचार एवं अवसंरचना) और SDG-13 (जलवायु कार्रवाई) में युवाओं की सक्रिय भागीदारी महत्वपूर्ण है। डिजिटल कौशल युवाओं को इन लक्ष्यों के लिए नवाचार और सामाजिक समाधान विकसित करने में सक्षम बनाता है।

UPSC के लिए महत्व

यह विषय GS Paper-II (Social Justice) और GS Paper-III (Science & Technology) के लिए महत्वपूर्ण है। UPSC में इसे Demographic Dividend, Human Capital, Youth Empowerment, Digital Divide, Skill Development, Digital Public Infrastructure और SDGs से जोड़कर पढ़ें। मुख्य परीक्षा में यह तर्कमहत्वपूर्ण है कि युवा आबादी तभी demographic dividend बनती है जब उसे शिक्षा, कौशल, स्वास्थ्य, रोजगार और डिजिटल अवसरों से पर्याप्त रूप से सशक्त किया जाए।

08 विश्व हाथी दिवस — एशियाई हाथी संरक्षण और मानव-हाथी संघर्ष की चुनौती

इतिहास एवं दिवस

संक्षेप में

विश्व हाथी दिवस प्रत्येक वर्ष 12 अगस्त को मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य एशियाई और अफ्रीकी हाथियों के संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना है; पहला दिवस 2012 में मनाया गया। भारत में विश्व की लगभग 60% जंगली एशियाई हाथी आबादी पाई जाती है और हाथी को राष्ट्रीय विरासत पशु का दर्जा प्राप्त है। भारत में Project Elephant 1992 में शुरू किया गया, जिसका उद्देश्य हाथियों के आवास एवं गलियारों का संरक्षण तथा मानव-हाथी संघर्ष को कम करना है। आवास विखंडन, मानव-हाथी संघर्ष, रेलवे दुर्घटनाएँ और अवैध शिकार प्रमुख चुनौतियाँ हैं, जिनके समाधान के लिए कॉरिडोर संरक्षण और समुदाय आधारित संरक्षण आवश्यक है।

विश्व हाथी दिवस (World Elephant Day) प्रत्येक वर्ष 12 अगस्त को मनाया जाता है। इसका उद्देश्य एशियाई और अफ्रीकी हाथियों के संरक्षण के प्रति वैश्विक जागरूकता बढ़ाना तथा उनके सामने मौजूद खतरों पर ध्यान आकर्षित करना है। पहला विश्व हाथी दिवस 12 अगस्त 2012 को आयोजित किया गया था।

हाथियों के संरक्षण का महत्व

हाथी केवल एक प्रमुख वन्यजीव प्रजाति ही नहीं, बल्कि पारिस्थितिकी तंत्र के महत्वपूर्ण घटक हैं। वे बीजों के प्रसार, वनस्पति संरचना को प्रभावित करने और वन पारिस्थितिकी तंत्र के पुनर्जीवन में योगदान देते हैं। इसलिए हाथियों का संरक्षण व्यापक रूप से वन एवं जैव विविधता संरक्षण से जुड़ा हुआ है।

भारत और एशियाई हाथी

भारत एशियाई हाथी (Asian Elephant) के वैश्विक संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और भारत में विश्व की लगभग 60% जंगली एशियाई हाथी आबादी पाई जाती है। भारत ने हाथी को राष्ट्रीय विरासत पशु (National Heritage Animal) का दर्जा दिया है। भारतीय हाथी को वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की अनुसूची-I में उच्चतम स्तर की कानूनी सुरक्षा प्राप्त है।

Project Elephant और संरक्षण ढाँचा

भारत में Project Elephant वर्ष 1992 में शुरू किया गया था। इसका उद्देश्य हाथियों और उनके आवासों का संरक्षण, हाथी गलियारों की सुरक्षा तथा मानव-हाथी संघर्ष (Human-Elephant Conflict) को कम करना है। भारत में हाथी संरक्षण के लिए Elephant Reserves और महत्वपूर्ण Elephant Corridors विकसित किए गए हैं। 2025 में पर्यावरण मंत्रालय ने देश में 33 Elephant Reserves और लगभग 150 corridors का उल्लेख किया था।

मानव-हाथी संघर्ष प्रमुख चुनौती

हाथियों के प्राकृतिक आवासों का विखंडन, कृषि एवं बुनियादी ढाँचे का विस्तार, रेलवे दुर्घटनाएँ, अवैध शिकार तथा मानव बस्तियों के निकट हाथियों की आवाजाही संरक्षण के सामने प्रमुख चुनौतियाँ हैं। विशेष रूप से Human-Elephant Conflict को कम करने के लिए स्थानीय समुदायों की भागीदारी, हाथी गलियारों का संरक्षण और वैज्ञानिक निगरानी आवश्यक है। हाल के सरकारी प्रयासों में संवेदनशील रेलवे मार्गों की पहचान तथा रेल-हाथी टकराव को कम करने के उपायों पर भी जोर दिया गया है।

UPSC के लिए महत्व

यह विषय GS Paper-III (Environment & Ecology) के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसे जैव विविधता संरक्षण, Project Elephant, Elephant Reserves, Wildlife Protection Act, 1972, CMS, मानव-वन्यजीव संघर्ष, वन्यजीव गलियारे और समुदाय-आधारित संरक्षण से जोड़कर पढ़ें। विशेष रूप से याद रखें कि एशियाई हाथी IUCN में Endangered श्रेणी में है और भारत में इसे राष्ट्रीय विरासत पशु के रूप में मान्यता प्राप्त है। UPSC Mains में हाथी संरक्षण को केवल वन्यजीव संरक्षण नहीं, बल्कि पारिस्थितिकी तंत्र संरक्षण + स्थानीय समुदायों की आजीविका + सतत विकास के संयुक्त दृष्टिकोण से प्रस्तुत करना अधिक प्रभावी होगा।

वन लाइनर

10 प्रविष्टियाँ

01	सर्वोच्च न्यायालय कॉलेजियम ने न्यायमूर्ति रविंद्र वी. घुगे को किस उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में नियुक्त करने की सिफारिश की है?	कलकत्ता उच्च न्यायालय
02	न्यायमूर्ति महेश चंद्र त्रिपाठी की नियुक्ति स्वीकृत होने पर वे बॉम्बे उच्च न्यायालय के कौन-से मुख्य न्यायाधीश होंगे?	50वें मुख्य न्यायाधीश
03	9 अगस्त 2026 को किस पुलिस बल को राष्ट्रपति ध्वज (President's Colour) से सम्मानित किया गया?	पुडुचेरी पुलिस
04	UPI के संबंध में भारत सरकार ने किस प्रकार के लेनदेन को निःशुल्क बनाए रखने की पुष्टि की है?	Person-to-Person (P2P) लेनदेन
05	भारत में भुगतान एवं निपटान प्रणालियों को विनियमित करने वाला प्रमुख कानून कौन-सा है?	Payment and Settlement Systems Act, 2007
06	भारत के समुद्री प्रशासन को डिजिटल बनाने के लिए शुरू किए गए एकीकृत प्लेटफॉर्म का नाम क्या है?	ई-समुद्र (e-Samudra)
07	'Bank in a Box' पहल का मुख्य उद्देश्य क्या है?	शहरी सहकारी बैंकों को आधुनिक डिजिटल बैंकिंग एवं तकनीकी सुविधाएँ उपलब्ध कराना
08	लखनऊ में 'प्रकृति ज्ञान धाम' को किस वैज्ञानिक संस्थान ने विकसित किया है?	CSIR-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान (CSIR-NBRI)
09	अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस 2026 की थीम क्या है?	"From Clicks to Progress: Youth Digital Pathways for Sustainable Development"
10	भारत में हाथियों के संरक्षण के लिए Project Elephant किस वर्ष शुरू किया गया था?	1992

अभ्यास प्रश्नोत्तरी

8 प्रविष्टियाँ

प्र1. सर्वोच्च न्यायालय कॉलेजियम ने न्यायमूर्ति रविंद्र वी. घुगे को किस उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में अनुशंसित किया है? **नियुक्तियाँ**

- (a) बॉम्बे उच्च न्यायालय (b) कलकत्ता उच्च न्यायालय
(c) इलाहाबाद उच्च न्यायालय (d) मद्रास उच्च न्यायालय

उत्तर. (B) कलकत्ता उच्च न्यायालय

व्याख्या

सर्वोच्च न्यायालय कॉलेजियम ने 6 अगस्त 2026 को न्यायमूर्ति रविंद्र वी. घुगे और महेश चंद्र त्रिपाठी को क्रमशः कलकत्ता और बॉम्बे उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में नियुक्त करने की सिफारिश की। स्वीकृति मिलने पर न्यायमूर्ति त्रिपाठी बॉम्बे हाई कोर्ट के 50वें मुख्य न्यायाधीश होंगे, जबकि अंतिम नियुक्ति केंद्र सरकार की प्रक्रिया और राष्ट्रपति की अधिसूचना के बाद होगी।

प्र2. 9 अगस्त 2026 को पुडुचेरी पुलिस को किस प्रतिष्ठित सम्मान से सम्मानित किया गया?

- (a) पुलिस मेडल (b) राष्ट्रपति ध्वज
(c) वीरता चक्र (d) राष्ट्रपति पदक

उत्तर. (B) राष्ट्रपति ध्वज

व्याख्या

9 अगस्त 2026 को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पुडुचेरी पुलिस को वीरता, समर्पण और विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति ध्वज (President's Colour) से सम्मानित किया। पुडुचेरी पुलिस ने कानून-व्यवस्था, नागरिक सुरक्षा और COVID-19 महामारी के दौरान महत्वपूर्ण भूमिका निभाई; यह सम्मान उसके उत्कृष्ट पुलिस प्रशासन एवं आंतरिक सुरक्षा योगदान की मान्यता है।

प्र3. भारत सरकार के अनुसार UPI के किस लेनदेन पर कोई शुल्क नहीं लगाया जाएगा? **स्वास्थ्य**

- (a) केवल अंतरराष्ट्रीय लेनदेन (b) P2P लेनदेन
(c) केवल बड़े व्यापारी लेनदेन (d) केवल क्रेडिट कार्ड भुगतान

उत्तर. (B) P2P लेनदेन

व्याख्या

भारत सरकार ने स्पष्ट किया कि UPI उपयोगकर्ताओं और P2P लेनदेन पर कोई शुल्क नहीं लगाया जाएगा, जबकि वर्तमान में UPI पर MDR शून्य है। भविष्य में MDR लागू होने पर यह केवल चुनिंदा व्यापारी लेनदेन और निर्धारित सीमा से अधिक के लेनदेन तक सीमित हो सकता है, ताकि डिजिटल भुगतान के लिए स्थायी राजस्व मॉडल विकसित किया जा सके।

प्र4. भारत के समुद्री प्रशासन को डिजिटल बनाने के लिए विकसित एकीकृत प्लेटफॉर्म कौन-सा है? **स्वास्थ्य**

- (a) ई-सागर (b) ई-समुद्र
(c) ई-पोर्ट (d) समुद्र शक्ति

उत्तर. (B) ई-समुद्र

व्याख्या

भारत के समुद्री प्रशासन को डिजिटल बनाने के लिए ई-समुद्र (e-Samudra) एकीकृत प्लेटफॉर्म विकसित किया गया है, जिसमें सिंगल-विंडो सेवाएँ, ऑनलाइन भुगतान, डिजिटल प्रमाणपत्र और रियल-टाइम ट्रैकिंग जैसी सुविधाएँ हैं। यह नाविक-केंद्रित सेवाओं को सरल बनाते हुए Maritime India Vision 2030 और Maritime Amrit Kaal Vision 2047 के तहत समुद्री क्षेत्र के डिजिटलीकरण एवं आधुनिकीकरण को बढ़ावा देता है।

प्र5. 'Bank in a Box' पहल का संबंध किस क्षेत्र से है? **स्वास्थ्य**

- (a) कृषि बैंकिंग (b) शहरी सहकारी बैंकिंग
(c) ग्रामीण विकास (d) बीमा क्षेत्र

उत्तर. (B) शहरी सहकारी बैंकिंग

व्याख्या

अमित शाह ने मुंबई में 'Bank in a Box' और 24x7 Security Operations Centre (SOC) लॉन्च किए, जिनका उद्देश्य शहरी सहकारी बैंकों को आधुनिक डिजिटल बैंकिंग और साइबर सुरक्षा सुविधाएँ उपलब्ध कराना है। NUCFDC को UCBs का Umbrella Organisation बनाया गया है; लगभग 1,400 में से 650 UCBs सदस्य हैं, ₹306 करोड़ पूंजीकरण हुआ है और इसका मुख्यालय दिल्ली से महाराष्ट्र स्थानांतरित किया जाएगा।

प्र6. Bamboostium में बांस की कितनी प्रजातियाँ प्रदर्शित की गई हैं? **स्वास्थ्य**

- (a) 23 (b) 33
(c) 43 (d) 53

उत्तर. (C) 43

व्याख्या

लखनऊ में डॉ. जितेंद्र सिंह ने 'प्रकृति ज्ञान धाम' का उद्घाटन किया, जिसे CSIR-NBRI ने विकसित किया है; यह जैव विविधता और पारिस्थितिकी के अनुभववात्मक अध्ययन के लिए Live Laboratory के रूप में कार्य करेगा। इसके प्रमुख आकर्षण PAaVan Path, भारतीय विरासत उद्यान, QR Code आधारित शिक्षा और Bamboostium में बांस की 43 प्रजातियाँ हैं, जो सतत विकास और हरित आजीविका पर केंद्रित हैं।

प्र7. अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस 2026 की थीम क्या है? इतिहास एवं दिवस

- (a) Youth and Climate Action (b) Youth for Global Peace
(c) From Clicks to Progress: Youth Digital Pathways for Sustainable Development (d) Digital Youth for India

उत्तर. (C) From Clicks to Progress: Youth Digital Pathways for Sustainable Development

व्याख्या

अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस हर वर्ष 12 अगस्त को मनाया जाता है; 2026 की थीम “From Clicks to Progress: Youth Digital Pathways for Sustainable Development” है, जो डिजिटल तकनीक और सतत विकास में युवाओं की भूमिका पर केंद्रित है। भारत के लिए युवा Demographic Dividend का आधार हैं और शिक्षा, कौशल, रोजगार व डिजिटल अवसरों के माध्यम से वे SDG-4, 5, 8, 9 और 13 की प्राप्ति में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं।

प्र8. भारत में विश्व की लगभग कितनी जंगली एशियाई हाथी आबादी पाई जाती है? इतिहास एवं दिवस

- (a) 30% (b) 40%
(c) 50% (d) 60%

उत्तर. (D) 60%

व्याख्या

विश्व हाथी दिवस प्रत्येक वर्ष 12 अगस्त को मनाया जाता है; भारत में विश्व की लगभग 60% जंगली एशियाई हाथी आबादी पाई जाती है और हाथी को राष्ट्रीय विरासत पशु का दर्जा प्राप्त है। भारत का Project Elephant 1992 में शुरू हुआ, जिसका उद्देश्य हाथियों के आवास एवं गलियारों का संरक्षण और मानव-हाथी संघर्ष को कम करना है; प्रमुख चुनौतियों में आवास विखंडन, रेलवे दुर्घटनाएँ और अवैध शिकार शामिल हैं।

उत्तर कुंजी

1	2	3	4	5	6	7	8
B	B	B	B	B	C	C	D

12.08 · MOCKTEST.IN

English

12 August 2026 · MockTest.in Daily Current Affairs

01	Current Affairs	8 items
----	-----------------	---------

02	One Liners	10 items
----	------------	----------

03	Practice Quiz	8 items
----	---------------	---------



Current Affairs

8 ITEMS

01 Leadership Changes in the Higher Judiciary — New Collegium Recommendations APPOINTMENTS

IN SHORT

On August 6, 2026, the Supreme Court Collegium recommended the appointment of Justice Ravindra V. Ghuge and Justice Mahesh Chandra Tripathi as Chief Justices of the Calcutta High Court and the Bombay High Court, respectively. Justice Ghuge is currently the Acting Chief Justice of the Bombay High Court, while Justice Tripathi is a senior judge at the Allahabad High Court. Upon approval, Justice Tripathi will become the 50th Chief Justice of the Bombay High Court. Final appointments are made following the Collegium's recommendation through the Central Government's procedure and the President's notification of appointment.

On August 6, 2026, the Supreme Court Collegium recommended the appointment of Justice Ravindra V. Ghuge and Justice Mahesh Chandra Tripathi as Chief Justices of the Calcutta High Court and the Bombay High Court, respectively.

Justice Ravindra V. Ghuge

Justice Ravindra V. Ghuge is currently the Acting Chief Justice of the Bombay High Court. He has been recommended as the next Chief Justice of the Calcutta High Court. He was appointed as a judge of the Bombay High Court on June 21, 2013. He assumed the office of Acting Chief Justice in June 2026 following the appointment of the then Chief Justice, Shri Chandrashekhar, to the Supreme Court.

Justice Mahesh Chandra Tripathi

Justice M.C. Tripathi currently ranks second among the senior judges of the Allahabad High Court and heads the Principal Bench at Allahabad. If the Collegium's recommendation is approved, he will become the 50th Chief Justice of the Bombay High Court. Previously, Justice D.K. Upadhyaya from the Allahabad High Court served as the 47th Chief Justice of the Bombay High Court.

Judicial Experience of Both Judges

Justice Ghuge began his legal practice in 1990 and represented workers and trade unions in approximately 2,000 cases related to labor law and industrial disputes. On the other hand, Justice Tripathi enrolled as an advocate in 1992 and primarily practiced in civil law matters. He also represented various government and public institutions.

Significance of the Collegium System

Under the Collegium system, a group of senior Supreme Court judges makes recommendations for the appointment and transfer of judges within the higher judiciary. The

Supreme Court Collegium comprises the Chief Justice of India and the four senior-most judges. However, a Collegium recommendation does not constitute the final appointment in itself; the subsequent process involving the Central Government and the issuance of an appointment notification by the President are crucial steps.

Subsequent Process and UPSC Relevance

Following the recommendation, the Central Government completes the necessary formalities, and the concerned judge assumes office as Chief Justice after the appointment notification is issued. Currently, Justice Tapabrata Chakraborty serves as the Acting Chief Justice of the Calcutta High Court; Justice Ghuge will succeed him if the recommendation is approved. For UPSC purposes, this development should be studied in the context of topics such as Article 124, Article 217, judicial independence, the Collegium versus NJAC debate, and the appointment process within the judiciary.

02 Puducherry Police Honoured with 'President's Colour'

IN SHORT

On August 9, 2026, Union Home Minister Amit Shah honoured the Puducherry Police with the prestigious 'President's Colour' in recognition of their valour, dedication, and distinguished service. The Puducherry Police played a pivotal role in maintaining law and order, ensuring public safety, and managing the situation during the COVID-19 pandemic. Puducherry is a unique Union Territory, with its territories spread across Puducherry, Karaikal, Mahe, and Yanam. This honour recognizes the police force's outstanding service as well as its contributions to internal security, disaster management, and citizen-centric policing.

On August 9, 2026, Union Home and Cooperation Minister Amit Shah honoured the Puducherry Police with the 'President's Colour' for their valour, dedication, and distinguished service. Dignitaries, including Puducherry Lieutenant Governor K. Kailashnathan and Chief Minister N. Rangasamy, were present at the ceremony.

Significance of the President's Colour

The President's Colour is a prestigious honour awarded to a disciplined force in recognition of its outstanding service, courage, devotion to duty, and contribution to the nation. For a police force, this honour signifies institutional recognition of its long-standing contribution to maintaining law and order and serving and protecting citizens.

Why was the Puducherry Police honoured?

The Puducherry Police received this honour specifically for their work in maintaining law and order, ensuring public safety, and discharging duties under challenging circumstances. Puducherry has a unique geographical layout, as the Union Territory's re-

gions are spread across Puducherry, Karaikal, Mahe, and Yanam. Maintaining security and law and order across these geographically dispersed regions poses an administrative challenge for the police.

Role during the COVID-19 pandemic

The Home Minister also commended the contribution of the Puducherry Police during the COVID-19 pandemic. Throughout the pandemic, the police played a crucial role not only in maintaining law and order but also in implementing government guidelines related to health and safety. This example illustrates the multifaceted role of the police in disaster management.

Historical and Administrative Significance of Puducherry

Puducherry's history is linked to French colonial rule; it later became an integral part of India. Despite its distinct historical and geographical background, the region has preserved its Indian cultural identity.

Puducherry Police and the UPSC Connection

The post of Director General of Police (DGP) in Puducherry was established on October 1, 1963. Being awarded the President's Colour serves as a recognition of the police force's institutional capability and long-standing service. For UPSC purposes, this event should be studied in the context of internal security, police administration, the governance of Union Territories, disaster management, public order, and police reforms. This topic is relevant for both GS Paper-II (Governance) and GS Paper-III (Internal Security).

03 No charges for consumers on UPI; new MDR framework via PSS Act amendment

HEALTH & DISEASES

IN SHORT

The Government of India has clarified that no charges will be levied on UPI users, particularly for P2P transactions, and that the MDR on UPI is currently zero. The Payment and Settlement Systems Act, 2007, serves as the primary legal framework for India's payment and settlement systems, encompassing provisions related to digital payments. If MDR is implemented in the future, it could be restricted to select merchant transactions and those exceeding a specified threshold. The objective behind discussions on MDR is not to make UPI expensive, but to develop a sustainable revenue model for cybersecurity, technical infrastructure, and the digital payment system.

The Government of India has clarified that transaction charges will not be levied on UPI users. Specifically, Person-to-Person (P2P) transactions will remain free of charge. Consequently, ordinary citizens can continue to transfer funds and make payments via

UPI without incurring any separate transaction fees. The government has previously clarified that no MDR is currently being charged on UPI.

PSS Act and Proposed Changes

The Payment and Settlement Systems Act, 2007 (PSS Act) is the primary legal framework regulating payment and settlement systems in India. Within this Act, Section 10A is particularly significant for digital payments. Since January 2020, the MDR on RuPay debit card and BHIM-UPI transactions has been set to zero to promote digital payments.

What is MDR and its relation to UPI?

The Merchant Discount Rate (MDR) is a fee levied within the payment mechanism that processes a merchant's payment transactions. It is typically received by the financial institutions or payment systems associated with the merchant. It is important to note that MDR and the UPI charges levied on consumers are not the same thing. Under the current system, the MDR on UPI is zero, and the government also provides financial support to incentivize the digital payment ecosystem.

Scenario regarding the future implementation of MDR

The proposed arrangement should not be interpreted as an immediate decision to levy charges on UPI transactions. According to the government's clarification, if an MDR (Merchant Discount Rate) system is introduced in the future, it may be limited to specific merchant transactions and applicable only to those exceeding a certain threshold. The objective is not to make UPI expensive but to develop a sustainable revenue model for the payment ecosystem.

Need for a sustainable revenue model for UPI

The massive expansion of UPI necessitates continuous investment in areas such as cybersecurity, fraud prevention, technical infrastructure, real-time payments, and grievance redressal. Currently, the government provides incentives to participants in the UPI ecosystem. Therefore, the debate surrounding MDR should be viewed in the context of Digital Public Infrastructure (DPI), financial inclusion, and the long-term financial sustainability of the payment system.

Key takeaways for UPSC

This issue is significant for GS Paper-III (Indian Economy). Study it in conjunction with topics such as UPI, NPCI, the PSS Act 2007, MDR, digital payments, financial inclusion, Digital Public Infrastructure, and FinTech regulation. For the examination, specifically remember that P2P UPI transactions are free; MDR is a concept related to the merchant side; the PSS Act serves as the primary legal framework for payment systems; and UPI operates through an ecosystem led by the NPCI. The objective of maintaining zero MDR on UPI in the current system has been to make digital payments widespread and affordable.

04 Digital Transformation of India's Maritime Administration through 'e-Samudra' HEALTH & DISEASES

IN SHORT

The 'e-Samudra' integrated digital platform has been developed to modernize India's maritime administration, making maritime services digital and more efficient. It incorporates features such as single-window services, online payments, digital certificates, real-time tracking, and faceless governance. The platform focuses on simplifying and enhancing the transparency of services for seafarers, including profile management, certification, employment, training, and grievance redressal. e-Samudra fosters the digitization and modernization of the maritime sector in alignment with India's 'Maritime India Vision 2030' and 'Maritime Amrit Kaal Vision 2047'.

The 'e-Samudra' platform has been developed as an integrated digital solution to make India's maritime administration digital and more efficient. It is part of the digital administrative framework of the Directorate General of Shipping (DGS) under the Ministry of Ports, Shipping and Waterways. According to official DGS records, modules such as seafarer profiles, ship registration, and tonnage taxation are being developed or migrated to this platform.

Single-Window Digitalization of Maritime Services

The primary objective of e-Samudra is to provide various maritime services on a unified digital platform. Through this, processes involving applications, documentation, certification, approvals, and fee payments are being digitized. This initiative helps reduce paperwork, accelerate processes, and promote faceless and transparent governance.

Seafarer-Centric Digital Services

A key aspect of e-Samudra is seafarer-centric governance. Seafarer profiles are being migrated to the new platform, and the DGS has instructed seafarers to verify and update their profile-related information. This facilitates a more streamlined approach to processes related to certification, employment, training, and other maritime services.

Transparency, Tracking, and Grievance Redressal

The objective of digital maritime administration extends beyond merely providing online services; it aims to strengthen real-time tracking, digital record-keeping, and grievance redressal mechanisms. The current digital framework of the Directorate General of Shipping (DGS) incorporates modules such as Grievance Redressal, Seafarer Certificate Verification, and 'e-Samudra'. These facilitate better access for seafarers and other maritime stakeholders to track service status and resolve grievances.

Alignment with Maritime India Vision 2030 and Amrit Kaal Vision 2047

'e-Samudra' should be viewed within the broader context of the modernization and digital transformation of India's maritime sector. India aims to emerge as a competitive global maritime power by strengthening port efficiency, logistics, shipping, maritime trade, and human resources. Consequently, 'e-Samudra' can be linked to the digital governance aspects of the Maritime India Vision 2030 and the long-term Maritime Amrit Kaal Vision 2047.

Significance for UPSC

This initiative is relevant to both GS Paper-II and GS Paper-III. In the context of GS-II, it should be studied alongside e-Governance, Digital Public Infrastructure, transparency, and citizen-centric governance; for GS-III, it relates to ports, shipping, the Blue Economy, maritime security, logistics, and maritime trade. Furthermore, it is important to note that the Merchant Shipping Act, 2025, along with reforms in seafarer rights and maritime administration and the provision of digital maritime services, constitutes part of India's comprehensive maritime governance reform. Official DGS records indicate the formation of implementation committees for 'e-Samudra' in 2024 and the planned operationalization or updating of its various modules by 2026.

05 Modernizing Digital and Cyber Security for Urban Cooperative Banks via 'Bank in a Box' HEALTH & DISEASES

IN SHORT

Union Home and Cooperation Minister Amit Shah launched initiatives such as 'Bank in a Box' and a 24×7 Security Operations Centre (SOC) to modernize Urban Cooperative Banks (UCBs) during the 'Sahakar Nav-Kranti' event in Mumbai. Under 'Bank in a Box', small UCBs will gain access to facilities like Core Banking, Digital Payments, Cloud services, AI-based fraud prevention, and regulatory compliance tools. The NUCFDC has been entrusted with the responsibility of providing technical, financial, and regulatory support to UCBs as their umbrella organization. Out of approximately 1,400 UCBs, 650 have already become members, and a capital base of around ₹306 crore has been raised for the NUCFDC; its headquarters will be shifted from Delhi to Maharashtra.

Union Home and Cooperation Minister Amit Shah launched several initiatives aimed at modernizing Urban Cooperative Banks (UCBs) at the 'Sahakar Nav-Kranti' event held in Mumbai. Key among these were the inauguration of the new premises of the National Urban Cooperative Finance and Development Corporation (NUCFDC) and the launch of the 'Bank in a Box' technology platform and a Security Operations Centre (SOC) for participating UCBs. The objective is to provide small UCBs with access to modern banking technology and cyber security facilities.

What is 'Bank in a Box'?

'Bank in a Box' is an integrated technology solution that enables small UCBs—often with limited branch networks—to access modern banking facilities without the need to develop separate, expensive IT systems. It encompasses features such as Core Banking, Digital Payments, Cloud Infrastructure, Loan Origination Systems, AI-based fraud prevention, Aadhaar-based services, and automated regulatory compliance. This initiative will help reduce technology costs and operational burdens for small cooperative banks.

Security Operations Centre (SOC) and Cyber Security

With the expansion of digital banking, the risk of cyber fraud and cyber-attacks is also increasing. Therefore, a 24×7 Security Operations Centre (SOC) has been established for UCBs. Its objective is to provide continuous monitoring of cyber threats, identify suspicious activities, and offer security-related support. NUCFDC is also facilitating access to technologies like 'MuleHunter,' which assist in identifying suspicious transactions and 'mule accounts.'

Role of NUCFDC

The National Urban Cooperative Finance and Development Corporation (NUCFDC) has been assigned a pivotal role as the Umbrella Organisation for Urban Cooperative Banks. Its aim is to provide technical, financial, institutional, and regulatory support to UCBs. Through shared technical services and contracts, smaller banks can benefit from economies of scale and receive assistance in adopting modern banking systems.

UCB Sector and Capitalization

Out of approximately 1,400 urban cooperative banks in the country, around 650 have become members of NUCFDC. A sum of approximately ₹306 crore has been raised for the organization's capitalization. Maharashtra is a key state in terms of the number of UCBs; consequently, it has been announced that the NUCFDC headquarters will be shifted from Delhi to Maharashtra. This move could strengthen institutional coordination in a region that hosts a vast cooperative banking network.

Significance for UPSC

This initiative is important for GS Paper-III (Indian Economy). It should be studied in the context of cooperative banking, financial inclusion, digital banking, FinTech, cyber-security, AI-based fraud detection, regulatory compliance, and institutional reform. Notably, UCBs constitute a vital part of the Indian cooperative banking system, while NUCFDC, acting as an Umbrella Organisation, aims to foster their technical and institutional empowerment. The 'Bank in a Box' concept exemplifies shared digital infrastructure and economies of scale, whereas the SOC represents a significant step towards strengthening proactive cyber-risk management within the banking sector.

06 'Prakriti Gyan Dham' — A New Center for Biodiversity and Environmental Education

HEALTH & DISEASES

IN SHORT

Union Minister of State for Science and Technology, Dr. Jitendra Singh, inaugurated 'Prakriti Gyan Dham' in Lucknow, a facility developed by CSIR-NBRI. Functioning as a 'Live Laboratory,' it offers students and nature enthusiasts an experiential study of biodiversity and ecology. Key attractions include the 'PAaVan Path,' the 'Indian Heritage Garden,' and QR-code-based digital environmental education. The 'Bamboostium' showcases 43 bamboo species, focusing on the sustainable use of bio-resources, carbon management, and the promotion of green livelihoods.

Union Minister of State for Science and Technology, Dr. Jitendra Singh, inaugurated the environment-focused education center 'Prakriti Gyan Dham' in Lucknow. Developed by the CSIR-National Botanical Research Institute (CSIR-NBRI), the center is located at the Maharishi Parashar Bio-resource Centre in Banthra. Its objective is to connect scientific research, biodiversity conservation, and environmental education with society.

Development as an Active 'Live Laboratory'

Prakriti Gyan Dham has been developed as a 'Live Laboratory' where students, teachers, scientists, and nature enthusiasts can understand India's botanical and ecological diversity through direct, hands-on experience. Moving beyond traditional classroom-based instruction, its model focuses on experiential learning, linking botany with biodiversity conservation, ecology, and sustainable livelihoods.

PAaVan Path and Indian Heritage Garden

The center's key attractions include the 'PAaVan Path' and the 'Indian Heritage Garden.' The PAaVan Path offers an opportunity to understand various plants and their ecological relationships. The Indian Heritage Garden showcases trees of historical and cultural significance, particularly those linked to Indian history and the freedom movement; thus, the initiative integrates biological heritage with cultural heritage.

Technology-based Environmental Education

QR codes have been installed on various trees and exhibits throughout Prakriti Gyan Dham. Through these means, visitors can digitally access information regarding plant species, their significance, and relevant scientific details. This initiative exemplifies technology-enabled environmental education, making scientific information more accessible and interactive for the general public.

'Bamboostium' and Sustainable Development

The center's 'Bamboostium' is particularly significant, showcasing 43 species of bamboo and their various applications. Bamboo is linked to carbon management, ecological restoration, eco-friendly products, green construction, and sustainable livelihoods. This

example demonstrates how the scientific and sustainable use of bio-resources can foster a green economy and support local livelihoods.

Significance for UPSC

This initiative is relevant to GS Paper-III (Environment & Ecology). It should be studied in the context of biodiversity conservation, ecosystem services, environmental education, sustainable development, botanical resources, ecological restoration, and the green economy. Furthermore, the role of CSIR-NBRI serves as a key example of bridging the gap between scientific research and society. In the UPSC Mains examination, this initiative can be cited as a model for "bridging the gap between scientific institutions and society" and for the "sustainable use alongside conservation of bio-resources."

07 International Youth Day 2026 — Youth Power and Sustainable Development HISTORY & DAYS

IN SHORT

International Youth Day is observed annually on August 12; it was recognized by the United Nations General Assembly in 1999, and the first observance took place on August 12, 2000. The theme for 2026 is "From Clicks to Progress: Youth Digital Pathways for Sustainable Development," focusing on the role of youth in digital technology and sustainable development. For India, the youth constitute the core of the demographic dividend, necessitating investments in education, skills, employment, health, and digital opportunities. Young people play a pivotal role in achieving SDGs 4, 5, 8, 9, and 13, while contributing to sectors such as AI, FinTech, and digital entrepreneurship.

International Youth Day is observed every year on August 12. The United Nations General Assembly recognized this day in 1999 to raise global awareness regarding issues affecting youth. The first International Youth Day was celebrated on August 12, 2000.

Theme for 2026

The theme for International Youth Day 2026 is "From Clicks to Progress: Youth Digital Pathways for Sustainable Development." Its primary objective is to align the digital potential, innovation, and technological engagement of youth with the Sustainable Development Goals (SDGs).

The Relationship Between Youth and Digital Transformation

Today, the youth play a significant role in sectors such as Artificial Intelligence, digital platforms, social media, FinTech, and digital entrepreneurship. Digital technology offers young people new opportunities for education, employment, skill development, and entrepreneurship. Simultaneously, challenges such as the digital divide, cybersecurity issues, online misinformation, and digital exclusion also persist.

Significance in the Indian Context

India is home to one of the largest youth populations in the world. To harness the benefits of India's demographic dividend, it is essential to provide young people with access to quality education, skills, employment, healthcare, and entrepreneurial opportunities. Initiatives such as Skill India, Digital India, Startup India, and the National Education Policy 2020 play a pivotal role in transforming youth potential into human capital.

SDGs and the Youth

The youth are key partners in achieving the Sustainable Development Goals (SDGs). Their active participation is particularly crucial for SDG-4 (Quality Education), SDG-5 (Gender Equality), SDG-8 (Decent Work and Economic Growth), SDG-9 (Industry, Innovation, and Infrastructure), and SDG-13 (Climate Action). Digital skills empower the youth to develop innovations and social solutions aligned with these goals.

Significance for UPSC

This topic is important for GS Paper-II (Social Justice) and GS Paper-III (Science & Technology). In the context of UPSC, study this subject by linking it to concepts such as the Demographic Dividend, Human Capital, Youth Empowerment, the Digital Divide, Skill Development, Digital Public Infrastructure, and the SDGs. For the Main Examination, a crucial argument is that the youth population translates into a demographic dividend only when adequately empowered through education, skills, healthcare, employment, and digital opportunities.

08 World Elephant Day — Asian Elephant Conservation and the Challenge of Human-Elephant Conflict HISTORY & DAYS

IN SHORT

World Elephant Day is observed annually on August 12 to raise awareness about the conservation of Asian and African elephants; the first such day was celebrated in 2012. India is home to approximately 60% of the world's wild Asian elephant population, and the elephant holds the status of 'National Heritage Animal' in the country. 'Project Elephant' was launched in India in 1992 with the aim of conserving elephant habitats and corridors and mitigating human-elephant conflict. Key challenges include habitat fragmentation, human-elephant conflict, railway accidents, and poaching; addressing these requires corridor conservation and community-based conservation efforts.

World Elephant Day is observed annually on August 12. Its objective is to raise global awareness regarding the conservation of Asian and African elephants and to draw attention to the threats they face. The first World Elephant Day was held on August 12, 2012.

Importance of Elephant Conservation

Elephants are not merely a key wildlife species but are also vital components of the ecosystem. They contribute to seed dispersal, influence vegetation structure, and aid in the regeneration of forest ecosystems. Consequently, elephant conservation is intrinsically linked to the broader conservation of forests and biodiversity.

India and the Asian Elephant

India plays a pivotal role in the global conservation of the Asian elephant, hosting approximately 60% of the world's wild Asian elephant population. India has designated the elephant as its 'National Heritage Animal.' The Indian elephant enjoys the highest level of legal protection under Schedule-I of the Wildlife (Protection) Act, 1972.

Project Elephant and Conservation Framework

'Project Elephant' was launched in India in 1992. Its objectives include the conservation of elephants and their habitats, the protection of elephant corridors, and the mitigation of human-elephant conflict. Elephant reserves and critical elephant corridors have been developed in India for elephant conservation. As of 2025, the Ministry of Environment has identified 33 elephant reserves and approximately 150 corridors across the country.

Human-Elephant Conflict: A Major Challenge

Fragmentation of natural elephant habitats, the expansion of agriculture and infrastructure, railway accidents, poaching, and elephant movement near human settlements pose significant challenges to conservation. Specifically, the participation of local communities, the protection of elephant corridors, and scientific monitoring are essential to mitigate human-elephant conflict. Recent government initiatives have also emphasized identifying vulnerable railway routes and implementing measures to reduce train-elephant collisions.

Significance for UPSC

This topic is crucial for GS Paper-III (Environment & Ecology). Study it in conjunction with biodiversity conservation, Project Elephant, elephant reserves, the Wildlife Protection Act (1972), CMS, human-wildlife conflict, wildlife corridors, and community-based conservation. Notably, remember that the Asian elephant is classified as 'Endangered' by the IUCN and is recognized as India's National Heritage Animal. In the UPSC Mains examination, presenting elephant conservation through an integrated approach—combining ecosystem conservation, local community livelihoods, and sustainable development—will be more effective than viewing it solely as wildlife conservation.

One Liners

10 ITEMS

- | | | |
|----|--|---|
| 01 | Which High Court's Chief Justice has the Supreme Court Collegium recommended Justice Ravindra V. Ghuge to be appointed as? | Calcutta High Court |
| 02 | Upon the approval of his appointment, Justice Mahesh Chandra Tripathi will be the Chief Justice of the Bombay High Court at which position (number)? | 50th Chief Justice |
| 03 | Which police force was awarded the 'President's Colour' on August 9, 2026? | Puducherry Police |
| 04 | Regarding UPI, which type of transaction has the Government of India confirmed will remain free of charge? | Person-to-Person (P2P) transactions |
| 05 | What is the primary legislation regulating payment and settlement systems in India? | Payment and Settlement Systems Act, 2007 |
| 06 | What is the name of the integrated platform launched to digitize India's maritime administration? | e-Samudra |
| 07 | What is the main objective of the 'Bank in a Box' initiative? | To provide modern digital banking and technological facilities to urban cooperative banks |
| 08 | Which scientific institution has developed 'Prakriti Gyan Dham' in Lucknow? | CSIR-National Botanical Research Institute (CSIR-NBRI) |
| 09 | What is the theme of International Youth Day 2026? | "From Clicks to Progress: Youth Digital Pathways for Sustainable Development" |
| 10 | In which year was 'Project Elephant' launched for the conservation of elephants in India? | 1992 |

Practice Quiz

8 ITEMS

Q1. Which High Court's Chief Justice has the Supreme Court Collegium recommended Justice Ravindra V. Ghuge to be? **APPOINTMENTS**

- (a) Bombay High Court
- (b) **Calcutta High Court**
- (c) Allahabad High Court
- (d) Madras High Court

Ans. (B) Calcutta High Court

SOLUTION

On August 6, 2026, the Supreme Court Collegium recommended the appointment of Justice Ravindra V. Ghuge and Justice Mahesh Chandra Tripathi as Chief Justices of the Calcutta and Bombay High Courts, respectively. Upon approval, Justice Tripathi will become the 50th Chief Justice of the Bombay High Court, while the final appointment will follow the Central Government's procedure and the President's notification.

Q2. With which prestigious honor was the Puducherry Police awarded on August 9, 2026?

- (a) Police Medal
- (b) **President's Colour**
- (c) Gallantry Award
- (d) President's Medal

Ans. (B) President's Colour

SOLUTION

On August 9, 2026, Union Home Minister Amit Shah awarded the President's Colour to the Puducherry Police for their gallantry, dedication, and distinguished service. The Puducherry Police played a crucial role in maintaining law and order, ensuring civil safety, and managing the COVID-19 pandemic; this honor recognizes their excellent police administration and contributions to internal security.

Q3. According to the Government of India, which UPI transaction will not attract any charges? **HEALTH & DISEASES**

- (a) International transactions only
- (b) **P2P transactions**
- (c) Large merchant transactions only
- (d) Credit card payments only

Ans. (B) P2P transactions

SOLUTION

The Government of India clarified that no charges would be levied on UPI users or P2P transactions, noting that the Merchant Discount Rate (MDR) on UPI is currently zero. If MDR is implemented in the future, it may be limited to select merchant transactions and those exceeding a specified limit, in order to develop a sustainable revenue model for digital payments.

Q4. Which integrated platform has been developed to digitize India's maritime administration? **HEALTH & DISEASES**

- (a) e-Sagar
(b) **e-Samudra**
(c) e-Port
(d) Samudra Shakti

Ans. (B) e-Samudra

SOLUTION

The e-Samudra integrated platform has been developed to digitize India's maritime administration, featuring facilities such as single-window services, online payments, digital certificates, and real-time tracking. It promotes the digitization and modernization of the maritime sector under 'Maritime India Vision 2030' and 'Maritime Amrit Kaal Vision 2047' while simplifying seafarer-centric services.

Q5. Which sector is the 'Bank in a Box' initiative associated with? **HEALTH & DISEASES**

- (a) Agricultural banking
(b) **Urban cooperative banking**
(c) Rural development
(d) Insurance sector

Ans. (B) Urban cooperative banking

SOLUTION

Amit Shah launched 'Bank in a Box' and a 24×7 Security Operations Centre (SOC) in Mumbai, aimed at providing modern digital banking and cybersecurity facilities to Urban Cooperative Banks (UCBs). NUCFDC has been designated as the Umbrella Organisation for UCBs; out of approximately 1,400 UCBs, 650 are members, it has achieved a capitalization of ₹306 crore, and its headquarters will be shifted from Delhi to Maharashtra.

Q6. How many bamboo species are showcased in the 'Bamboostium'? **HEALTH & DISEASES**

- (a) 23
(b) 33
(c) **43**
(d) 53

Ans. (C) 43

SOLUTION

Dr. Jitendra Singh inaugurated 'Prakriti Gyan Dham' in Lucknow, developed by CSIR-NBRI; it will serve as a 'Live Laboratory' for the experiential study of biodiversity and ecology. Its key attractions include the PAaVan Path, an Indian Heritage Garden, QR code-based education, and the 'Bamboostium' featuring 43 bamboo species, all focusing on sustainable development and green livelihoods.

Q7. What is the theme for International Youth Day 2026? **HISTORY & DAYS**

- (a) Youth and Climate Action (b) Youth for Global Peace
(c) **From Clicks to Progress: Youth Digital Pathways for Sustainable Development** (d) Digital Youth for India

Ans. (C) From Clicks to Progress: Youth Digital Pathways for Sustainable Development

SOLUTION

International Youth Day is observed annually on August 12; the theme for 2026 is “From Clicks to Progress: Youth Digital Pathways for Sustainable Development,” which focuses on the role of youth in digital technology and sustainable development. India's youth form the foundation of its demographic dividend; through education, skills, employment, and digital opportunities, they can make significant contributions toward achieving SDGs 4, 5, 8, 9, and 13.

Q8. Approximately what percentage of the world's wild Asian elephant population is found in India? **HISTORY & DAYS**

- (a) 30% (b) 40%
(c) 50% (d) **60%**

Ans. (D) 60%

SOLUTION

World Elephant Day is observed annually on August 12; India is home to approximately 60% of the world's wild Asian elephant population, and the elephant holds the status of National Heritage Animal. India's 'Project Elephant' was launched in 1992 with the aim of conserving elephant habitats and corridors and mitigating human-elephant conflict; key challenges include habitat fragmentation, railway accidents, and poaching.

Answer Key

1	2	3	4	5	6	7	8
B	B	B	B	B	C	C	D

MockTest.in के साथ तैयारी करें

- निःशुल्क दैनिक समसामयिकी, वन लाइनर और क्विज़।
- अखिल भारतीय रैंकिंग के साथ पूर्ण मॉक टेस्ट।
- पिछले वर्षों के प्रश्नपत्र, विषयवार अभ्यास और PDF।



ऐंड्रॉइड ऐप डाउनलोड करें



ऑनलाइन पढ़ें



Facebook